वैदिक युग/ वैदिक सभ्यता

1500 ई.पू – 600 ई.पू.

ऋग्वैदिक काल 1500 – 1000 ई. पू. उत्तरवैदिक काल 1000- 600 ई. पू.

भौगोलिक विस्तार

ऋग्वेद के नदी सूक्त लगभग में 25 नदियों का उल्लेख किया गया है। उन नदियों में सरस्वती व सिंधु नदी का विशेष महत्व है। सिंधु नदी का आर्थिक दृष्टिकोण से व सरस्वती का धार्मिक (अध्यात्मिक) दृष्टिकोण से महत्व है। सरस्वती को "नदीतमा" कहा गया है। "नदीतमा" का तात्पर्य है नदियों में प्रमुख या नदियों में सर्वोत्तम। सरस्वती पहले नदियों की देवी हुआ करती थी कालान्तर में सरस्वती विद्या की देवी हो गयी।

सप्तसैंधव प्रदेश

भारत में आर्यों का आगमन सप्तसैंधव(पंजाब) प्रदेश में हुआ।

सप्तसैंधव से आशय है-

सिंधु

सरस्वती

OBLYPREPS

झेलम - वितस्ता

चिनाव – अस्किनी

रावी - पुरूष्णी

व्यास - विपा्सा

सतलज - शतुद्री

ऋग्वेद के नदी सूक्त में अफगानिस्तान की चार नदियों का भी उलेल्ख है इससे जाहिर होता है कि आर्य उत्तर पश्चिम क्षेत्रो में भी फैले थे-

ये नदियाँ निम्न है-

कुभा - काबुल

क्रुमु

गोमल

सुवास्तु

उत्तरवैदिक काल का भौगोलिक विस्तार-

उत्तरवैदिक काल में आर्यों की सभ्यता का मुख्य केन्द्र बिन्दु मध्य देश को माना गया है। इस काल में आर्यों का भौगोलिक विस्तार व्यापक क्षेत्र में हो गया।

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

छोटे छोटे जन बड़े बड़े जनों में व बड़े जन नगरों में परिवर्तित होने लगे।

जैसे भरत व पुरु मिलकर कुरु बनाये।

क्रिवि व तुर्वस मिलकर पांचाल बनाये।

Visit on: https://youtu.be/A2cksQ2vdy8

#Vaidik Yug #वैदिक काल #ऋग्वैदिक काल #उत्तरवैदिक काल #भौगोलिक विस्तार

OBLYPREPS

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"